इंदौर को CII ग्रीन सिटी प्रमाणन प्राप्त

चर्चा में क्यों?

इंदौर मध्य प्रदेश का पहला शहर तथा देश के प्रमुख तीन शहरों में से एक बन गया है जिसे **CII की इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल (IGBC)** द्वारा **'ग्रीन सिटी प्लैटिनम' प्रमाणन** प्रदान किया गया है।

मुख्य बिंदु

- **इंदौर की मान्यता:**
  - यह मान्यता प्रशासन द्वारा IGBC को प्रस्तुत किये गए एक दर्जन से अधिक मापदंडों पर आधारित विस्तृत आँकड़ों के छह माह तक चले मूल्यांकन के उपरांत प्रदान की गई।
  - इस मूल्यांकन में मास्टर प्लानिंग, जल एवं **ऊर्जा संरक्षण, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, ई-गवर्नेंस,** हरित आवरण के विस्तार तथा विभिन्न नीतिगत हस्तक्षेपों से संबंधित शहर की पहलों को सम्मिलित किया गया।
- **पूर्व प्राप्तकर्त्ता**
  - IGBC द्वारा ग्रीन सिटी प्लैटिनम प्रमाणन प्राप्त करने वाले पूर्व शहरों में शामिल हैं:
    - राजकोट स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट लिमिटेड (RSCDL)
    - पुणे नगर निगम
    - पिंपरी चिंचवड़ नगर निगम
- IGBC ग्रीन विद्यमान शहर):
  - IGBC ग्रीन सिटीज (विद्यमान शहर) रेटिंग प्रणाली एक स्वैच्छिक एवं आम-सहमति आधारित कार्यक्रम है, जिसे **IGBC ग्रीन सिटीज कमेटी के सहयोग से विकसित किया गया है।**
  - यह भारत की अपनी तरह की पहली रेटिंग प्रणाली है, जो विद्यमान शहरों में पर्यावरणीय स्थिरता को संबोधित करती है।
  - इस प्रणाली के माध्यम से **नगर पालिकाओं, नगर निगमों, विकास प्राधिकरणों एवं डेवलपर्स** को हरित नीति हस्तक्षेप तैयार करने और शहर-स्तर पर **हरित पहलों** को लागू करने में सहायता मिलती है।
  - इसका उद्देश्य पर्यावरणीय प्रभावों को न्यूनतम करना तथा **शहरी जीवन की समग्र गुणवत्ता** में सुधार करना है।

भारतीय हरित भवन परिषद (IGBC)

- यह एक **गैर-लाभकारी, सदस्य-संचालित परिषद** है, जिसकी स्थापना वर्ष 2001 में **भारतीय उद्योग परिसंघ (CII)** द्वारा भारत में स्थायी भवन प्रक्रियाओं को बढ़ावा देने के लिये की गई।
- यह परिषद **आवासीय, वाणिज्यिक एवं औद्योगिक क्षेत्रों** में पर्यावरण-उत्तरदायी निर्माण और डिज़ाइन को प्रोत्साहित करने के लिये हरित **भवन रेटिंग प्रणाली,** प्रमाणन सेवाएँ एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करती है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/indore-gets-cli-green-city-certification